सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया को हुए घाटे

7744. **श्री गोपाल सिंह जी. सोलंकी:** वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया को पिछले कई वर्षों से निरन्तर घाटा हो रहा है ;

(ख) 1990-91, 1991-92, 1992-93, 1993-94 और 1994-95 के वर्षों के दौरान इस बैंक को हुए वास्तविक घाटे का क्रमश: ब्यौरा क्या है ;

(ग) यदि हां, तो इन सभी वर्षों में इस बैंक को वास्तविक तथा प्रचालन संबंधी घाटा होने के क्या कारण हैं ;

(घ) क्या सरकार/भारतीय रिजर्व बैंक का इस बैंक के शीर्ष प्रबन्धक-वर्ग को पुनर्गठित करने का विचार है ;

(ङ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(च) इस बैंक को कार्य घाटे की स्थिति से उबारने के लिए मदद करने हेतु अब क्या-क्या कदम उठाए जाने का विचार है ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम. वी. चन्द्रशेखर मूर्ति) :(क) से (च) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी ।

Farmers benefited by Debt Relief Scheme

7745. SHRI ANANTRAY DEVSHANKER DAVE:

SHRI CHIMANBHAI HARIBHAI SHUKLA:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) what is the number of farmers and rural artisans benefited by Debt Relief Scheme in Gujarat;

(b) what is the amount released for Gujarat since December, 1994 district-wise; and

(c) by when the outstanding amount is likely to be released?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI M. V. CHANDRASHEKARA MURTHY): (a) and (b) The Agricultural and Rural Debt Relief (ARDP) Scheme, 1990 formulated by Government of India was a one-time measure and no year-wise allocations were made. The Scheme came to an end on March 31, 1991. All eligible borrowers satisfying the eligibility criteria laid down under the scheme were provided relief by the banks within the cut-off date. The public sector banks provided debt relief of the order of Rs. 140.12 crores (approximately) to 3,78,027 farmers and 81,198 rural artisans in the State of Gujarat under ARDR Scheme, 1990.

The debt relief provided by cooperative banks and regional rural banks in the State of Gujarat was of the order of Rs. 341.81 crores to 8,84,297 beneficiaries under ARDR Scheme, 1990. However, the break-up details of farmers and rural artisans benefited is not available. Similarly, district-wise details are not available with Reserve Bank of India.

(c) Reserve Bank of India (RBI) and National Bank for Agriculture and Rural Development (NABARD) have reported that all the claims of public sector banks, cooperative banks and Regional Rural Banks in the State of Gujarat have since been settled, as per policy guidelines.

गुजरात में नगरों की श्रेणियां

7746. **श्री अनन्तराय देवशंकर दवे :**
श्री चिमनभाई हरिभाई शुक्ल:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंग कि :

(क) गुजरात में "क" "ख" और "ग" श्रेणी के कितने नगर है और प्रत्येक नगर की जनसंख्या कितनी-कित ी है ;